मॉडल प्रश्न–पत्र –2024
कक्षा–10
विषय – हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 70**

निर्देश–

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O. M. R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O. M. R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न खण्ड–अ 20

प्रश्न–1. 'हंस' पत्रिका के प्रथम सम्पादक थे–

(क) प्रेमचन्द (ख) गुलाबराय

(ग) इलाचन्द्र जोशी (घ) जयशंकर प्रसाद

प्रश्न–2. शुक्ल युग के प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं–

(क) रांगेय राघव (ख) धर्मवीर भारती

(ग) भगवतीचरण वर्मा (घ) मन्नू भण्डारी

प्रश्न–3. 'नीड़ का निर्माण फिर' किस विधा की रचना है?

(क) कहानी (ख) आत्मकथा

(ग) उपन्यासकार (घ) निबन्ध

प्रश्न–4. 'चेखव : एक इन्टरव्यू' के लेखक हैं–

(क) राजेन्द्र यादव (ख) रामविलास शर्मा

(ग) प्रभाकर माचवे (घ) देवेन्द्र सत्यार्थी

प्रश्न–5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के रचनाकार हैं–

(क) प्रेमचन्द (ख) हरिकृष्ण 'प्रेमी'

(ग) जयशंकर वर्मा (घ) रामकुमार वर्मा

प्रश्न–6. रीतिकाल की रचना है –

(क) रामचरितमानस (ख) प्रियप्रवास

(ग) प्रेम–माधुरी (घ) रामचन्द्रिका

प्रश्न–7. 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है–

(क) सन् 1919 ई० (ख) सन् 1943 ई०

(ग) सन् 1953 ई० (घ) सन् 1942 ई०

प्रश्न–7. 'लोकायतन' के रचनाकार हैं–

(क) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) सुमित्रानन्दन पन्त (घ) महादेवी वर्मा

प्रश्न–9. 'बहुरि अकेला' के रचनाकार हैं–

(क) अशोक वाजपेयी (ख) केदारनाथ सिंह

(ग) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (घ) नरेन्द्र शर्मा

प्रश्न–10. रीतिकाल किस समयावधि में माना जाता है?

(क) सन् 1600–1616 ई० तक (ख) सन् 1800–1818 ई० तक

(ग) सन् 1643–1843 ई० तक (घ) सन् 1616–1632 ई० तक

प्रश्न–11.'हास्य रस' का स्थायी भाव है–

(क) भय (ख) विस्मय

(ग) उत्साह (घ) हास

प्रश्न–12. जहाँ पर उपमेय की किसी उपमान से गुण–धर्म के आधार पर समानता की जाए, वहाँ अलंकार होता है–

(क) रूपक अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार (घ) अनुप्रास अलंकार

प्रश्न–13. 'रोला' छन्द के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं–

(क) 22 (ख) 24

(ग) 36 (घ) 12

प्रश्न–14. 'अनुग्रह' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है–

(क) अन् (ख) अ

(ग) अनु (घ) ग्रह

प्रश्न–15. 'परीक्षा कब से है?' कैसा वाक्य है?

(क) इच्छावाचक वाक्य (ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य (घ) विधानवाचक वाक्य

प्रश्न–16. 'पंचवटी' में कौन–सा समास है?

(क) कर्मधारय (ख) द्वन्द्व,

(ग) द्विगु (घ) तत्पुरुष

प्रश्न–17. 'सूरज' का तत्सम रूप है–

(क) सूर्य (ख) दिनकर

(ग) सुरिज (घ) प्रकाश

प्रश्न–18. 'रोहन ने दिनेश को डण्डे से मारा' वाक्य में वाच्य पहचानिए–

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) मिश्रवाच्य

प्रश्न–19. 'तस्य' शब्द की विभक्ति एवं वचन है–

(क) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ख) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ग) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(घ) पंचमी विभक्ति, एकवचन

प्रश्न–20.क्रियाविशेषण शब्द पहचानिए–

(क) प्रतिदिन (ख) राधा

(ग) रमेश (घ) पेंड़

प्रश्न–21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2=6

(क) दूसरी बात जो इस सम्बन्छ। में विचारणीय है, वह यह है कि संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं। जहाँ उनमें और सब तरह की पहचान विभिन्नताएँ हैं, वहाँ उन सबमें यह एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजी वियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नै तिक चेतना का सहारा लिया था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) बापू ने क्रान्ति करने के लिए किसका सहारा लिया था?

अथवा

(ख) "मैं ब्राह्मणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म–अतिथि–देव की उपासना का पालन करना चाहिए, परन्तु यहाँ नहीं–नहीं सब विधर्मी दया के पात्र नहीं। परन्तु यह दया तो नहीं कर्तव्य करना है। तब?"

मुगल अपनी तलवार टेककर उठ खड़ा हुआ। ममता ने कहा– "क्या आश्चर्य है कि तुम छल करो, ठहरो।" "छल! नहीं तब नहीं स्त्री! जाता हूँ, तैमूर का वंशधर स्त्री से छल करेगा? जाता हूँ। भाग्य का खेल है।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) "छल! नहीं तब नहीं स्त्री! जाता हूँ, तैमूर का वंशधर स्त्री से छल करेगा? जाता हूँ।" वाक्य किसने कहा और क्यों?

प्रश्न–22. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2=6

(क) सहे वार पर वार अन्त तक,
लड़ी वीर बाला–सी ।
आहुति–सी गिर चढ़ी चिता पर,
चमक उठी ज्वाला–सी।।
बढ़ जाता है मान वीर का,
रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की,
भस्म यथा सोने से ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किसकी वीरता का वर्णन किया गया है?

(ख) किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत ।
मनिमय कनक नंद कैं आँगन, बिम्ब पकरिबैं धावत।।
कबहुँ निरखि हरि आपु छाँह कौं, कर सौं पकरन चाहत।
किलकि हँसत राजत द्वै दतियाँ, पुनि पुनि निहिं अवगाहत।।
कनक–भूमि पर कर–पग छाया, यह उपमा इक राजति।
करि–करि प्रतिपद प्रतिमनि बसुधा, कमल बैठकी साजति।।
बाल–दसा–सुख निरखि जसोदा, पुनि–पुनि नन्द बुलावति।
अँचरा तर लै ढाँकि, सूर के प्रभु कौ दूध पियावति।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किसकी बाल–क्रीड़ाओं का कवि ने वर्णन किया है?

वर्णनात्मक प्रश्न **खण्ड–'ख'**

प्रश्न–23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+3=5

(क) तस्य तां वार्ता श्रुत्वा सः चतुरः ग्रामीणः अकथयत्– "भोः वयम् अशिक्षिताः भवान् च शिक्षितः, वयम् अल्पज्ञाः भवान् च बहु इत्येव विज्ञाय अस्माभिः समयः कर्तव्यः। वयं परस्परं प्रहेलिका प्रक्ष्यामः। यदि भवान् उत्तरं दातुं समर्थः न भविष्यति तदा भवान दशरूप्यकाणि दास्यति। यदि वयम् उत्तरं दातुं समर्थः न भविष्यामः तदा दशरूप्यकाणाम् अर्ध पञ्चरूप्यकाणि दास्यामः।"

अथवा (ख) वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गंङ्गाया कूले स्थिता। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

प्रश्न–24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+3=5

(क) उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।।

अथवा (ख) माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात्।।

प्रश्न–25 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– 3×1=03

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक 'जवाहरलाल नेहरू' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) (i)'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (आयोजन) का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़–मुकुट' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पंचम षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–26. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(i) तुलसीदास

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) बिहारीलाल

प्रश्न–27. अपनी पाठ्य–पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो। 2

प्रश्न–28. विद्यालय में खेल–कूद की सामग्री की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

गणित शिक्षक के विज्ञापित पद हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न–29. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 2+2=4

(i) अलक्षेन्द्रः कः आसीत?

(ii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अकथयत?

(iii) सुखानाम् उत्तमं किम् स्यात् ?

(iv) भारतीया संस्कृतिः कां सङ्गमस्थली ?

(v) कुत्र मरणं मंगलं भवति ?

प्रश्न–30. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 7

(i) जीवन में विज्ञान का महत्त्व

(ii) विद्यार्थी और अनुशासन

(iii) वनों से लाभ

(iv) देशप्रेम

(v) आतंकवादः कारण एवं निवारण

ज्ञानसिंधु कोचिंग क्लासेज
अनुशासनेन विद्या अभ्यासेन विद्या
ज्ञानात् मुक्तिः
✶ ||ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् ||✶